राजस्थान की प्री-प्राइमरी कक्षाओं में संस्कृत

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार राज्य के सरकारी स्कूलों में [प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिये संस्कृत](#) को एक विषय के रूप में शुरू करने जा रही है। यह देश में पहली बार होगा, जिसका उद्देश्य **3 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों को** इस प्राचीन भाषा से परिचित कराना है।

मुख्य बिंदु

- **पाठ्यक्रम विकास:**
  - प्री-प्राइमरी छात्रों के लिये विशेष रूप से तैयार की गई **संस्कृत पुस्तकें** राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (RSCERT) द्वारा विकसित की गई हैं और इन्हें [NCERT](#) तथा राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है।
  - ये पुस्तकें **संस्कृत और हिंदी/अंग्रेज़ी दोनों माध्यम के सरकारी स्कूलों में** उपयोग हेतु तैयार की गई हैं, जो इस पहल के समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।
  - प्रत्येक पुस्तक में संस्कृत, हिंदी और अंग्रेज़ी में पढ़ाए गए शब्दों की सूची शामिल है, साथ ही बच्चों को अपनी मातृभाषा में शब्द लिखने का स्थान भी दिया गया है।
  - सामग्री में रोज़मर्रा की वस्तुओं **(संख्याएँ, पशु, पक्षी)** के चित्र और उनके साथ संबंधित संस्कृत शब्द शामिल हैं।
- **राज्य का दीर्घकालिक दृष्टिकोण:** राजस्थान में वर्तमान में **2,369 संस्कृत विद्यालय** हैं। यह परियोजना तीन चरणों में शुरू होगी:
  - **चरण 1:** 757 नए प्री-प्राइमरी संस्कृत विद्यालयों में संस्कृत की शुरुआत की जाएगी, जो एक महीने के भीतर खुलेंगे।
  - **चरण 2 और 3:** अगले वर्ष तक राजस्थान के 962 **महात्मा गांधी अंग्रेज़ी माध्यम स्कूलों (MGEMS)** और 660 [पीएम-श्री स्कूलों](#) में संस्कृत शुरू की जाएगी।
- **NEP के साथ संरेखण:**
  - पुस्तकें [राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)](#) के अनुरूप हैं। इनमें अंक, सप्ताह के दिन, शरीर के अंग तथा नैतिक कहानियाँ जैसी अवधारणाएँ सम्मिलित की गई हैं।

संस्कृत भाषा

- यह एक **इंडो-आर्यन भाषा** है और इसे **सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक माना** जाता है।
- इसे भारत की **अधिकांश भाषाओं की जननी** भी कहा जाता है।
- इसकी उत्पत्ति लगभग **3,500 वर्ष पहले** भारत में मानी जाती है और इसे अक्सर **देववाणी** (देवताओं की भाषा) कहा जाता है।
- संस्कृत को दो भागों में विभाजित किया गया है:
  - **वैदिक संस्कृत:** संस्कृत का पुराना और अधिक प्राचीन रूप, जिसका प्रमाण ऋग्वेद, उपनिषदों तथा पुराणों में मिलता है।
  - **लौकिक संस्कृत:** संस्कृत का बाद का और अधिक मानकीकृत रूप, जो पाणिनि के व्याकरण पर आधारित है तथा साहित्य, दर्शन, विज्ञान तथा कला में प्रयुक्त होता है।

नोट

- **संस्कृत** भारतीय **संविधान की आठवीं अनुसूची** में शामिल 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है।
- इसे **तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगला** के साथ 11 **शास्त्रीय भाषाओं** में शामिल किया गया है।
- वर्ष 2010 में संस्कृत को **उत्तराखंड की दूसरी आधिकारिक भाषा** घोषित किया गया।
- कर्नाटक के **मत्तूर गाँव** में सभी लोग संस्कृत भाषा में संवाद करते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sanskrit-in-rajasthans-pre-primary-classes